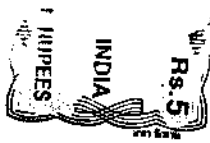




27



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म0प्र0 ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक /पुनर्विलोकन/2015 डिन्डोरी

फिर - 2381-I-15

गुलाब सिंह पुत्र श्री देवसिंह गौड़
निवासी-ग्राम ग्वारा, थाना-शाहपुर,
तहसील/जिला-डिन्डोरी (म.प्र.)

..... आवेदक

बनाम

1. सम्हुआ सिंह पुत्र श्री चौधर सिंह गौड़
2. सम्पत सिंह पुत्र श्री देव सिंह गौड़ (भूत)
जगद/मि.ए. 5/10 सम्पत/मि.ए.
निवासीगण-ग्राम-ग्वारा, थाना-शाहपुर,
तहसील/जिला-ग्वालियर

..... अनावेदकगण

पुनर्विलोकन आवेदनपत्र धारा 51 म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 के अन्तर्गत प्रस्तुत विरुद्ध आदेश सदस्य श्री एम.के.सिंह के प्र. क्र. निगरानी/1193/एक/2001 देव सिंह बनाम सम्हुआ आदेश दिनांक 28-03-2014 जिसकी जानकारी कभी नहीं दी, न हुई नकल प्राप्ति दिनांक 23-07-2015 को पारित

(गुलाब सिंह)

श्रीमान् जी,

प्रकरण के तथ्य संक्षेप में निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

यह कि, विवादित आराजी पुनर्विलोकनकर्ता के पिता देवी सिंह गौड़ की थी जिसे अनावेदक क्र.1 ने गलत तरह से नामांतरण पंजी में नाम इन्द्राज करा लिया जिसके विरुद्ध फिर एस.डी.ओ. ने फिर देवी सिंह के पक्ष में आदेश पारित करते हुये रिमाण्ड किया फिर रिमाण्ड में भी तहसील न्यायालय एस.डी.ओ. ने फिर पुनर्विलोकनकर्ता के पक्ष में आदेश पारित किया, के विरुद्ध अनावेदक ने अपर आयुक्त सीवा के यहां अपील पेश की जो पुनर्विलोकन के विरुद्ध आदेश पारित किया, के विरुद्ध पुनर्विलोकनकर्ता ने बोर्ड में निगरानी पेश की जो दिनांक 28-03-2014 को खारिज की, के विरुद्ध यह पुनर्विलोकन आवेदनपत्र निम्न प्रकार पेश है :-

पुनर्विलोकन के आधार :-

1. यह कि, अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि विधान एवं क्षेत्राधिकार बाह्य होने के कारण निरस्त किये जाने योग्य है।
2. यह कि, अधीनस्थ न्यायालय ने रिकार्ड की सूक्ष्मता से अध्ययन किये बिना जो आदेश पारित किया है वह निरस्त किये जाने योग्य है।

Handwritten signature

